पाठ-योजना

अध्यापिका/अध्यापक :

पुस्तक : उड़ान हिंदी पाठमाला भाग-8

विषय : हिंदी **दिनांक** : .....

उपविषय : अकबरी लोटा, पाठ-2 **अवधि** : 3-4 वादन

पाठ संख्या	सुनना, बोलना और पढ़ना	चिंतन	लिखना	गतिविधियाँ	जीवन मूल्य तथा पारिवारिक, सामाजिक व राष्ट्रीय चेतना
2.	पठन-पाठन, सुनना-सुनाना, शुद्ध उच्चारण, प्रश्नोत्तर।	तर्कसंगत तथ्य, हास्य-व्यंग्य की समझ, प्रतिक्रिया, अर्थ-बोध, अनुमान, चरित्र-चित्रण।	किसने, किससे कहा?, संधि-विच्छेद, समास, विशेषण-विशेष्य का मिलान, गद्यांश पर आधारित, अति लघु, लघु तथा निबंधात्मक प्रश्न।	संवाद, अतिरिक्त पठन, प्राचीन मूर्तियों की एवं ऐतिहासिक जानकारी, नाट्य रूपांतरण।	परेशानी में समझदारी, मित्र की मदद।

सामान्य उद्देश्य :

1. छात्रों में शुद्ध वाचन तथा पढ़ने-लिखने के कौशल का विकास करना।
2. अपने विचारों को सही प्रकार से प्रकट करने का ज्ञान व अभ्यास कराना।
3. वर्तनी संबंधी अशुद्धियों को दूर करने का प्रयास करना।
4. छात्रों के शब्द भंडार में वृद्धि करना।
5. प्रश्नों के उत्तर को भली-भाँति लिखने का अभ्यास कराना।

विशिष्ट उद्देश्य :

1. आनंदभाव से मनोरंजनपूर्ण पाठ पढ़ाना तथा पाठ के माध्यम से बताना कि कभी-कभी जीवन में ऐसी स्थिति बन जाती है कि दु:ख के बीच भी हास्य के क्षण उभर आते हैं और ये क्षण हमारे लिए अनमोल होते हैं।
2. स्वर संधि, समास तथा विशेषण-विशेष्य का बोध कराना।

सहायक सामग्री : श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर, चार्ट आदि।

पूर्वज्ञान-परीक्षा : अध्यापिका/अध्यापक छात्रों की पूर्वज्ञान परीक्षा लेने के लिए छात्रों से पूछेंगे कि आप कभी हास्यास्पद को याद करते हो तो कैसा लगता है? हास्यास्पद से संबंधित कोई बात अगर याद है तो बताइए? आदि।

उद्देश्य-कथन : अध्यापिका/अध्यापक प्रश्नों के उत्तर संतोषजनक या असंतोषजनक पाकर अपने उद्देश्य की घोषणा करेंगे कि बच्चो, आज हम हास्य कथा 'अकबरी लोटा' पाठ-2 का अध्ययन करेंगे।

शिक्षण-बिंदु : 'अकबरी लोटा' पाठ-2 के प्रश्नों के उत्तर छात्रों की सहायता लेते हुए कराए जाएँगे।

अध्यापिका/अध्यापक क्रियाएँ	छात्र-क्रियाएँ
प्र.1. लाला झाऊलाल ने रोब के साथ अपनी पत्नी से क्या कहा?	उ. लाला झाऊलाल ने रोब के साथ अपनी पत्नी से कहा कि आज से सातवें दिन मुझसे ढाई सौ रुपए ले लेना।
प्र.2. लोटे की गढ़न कैसी थी?	उ. लोटे की गढ़न ऐसी थी जैसे उसका बाप डमरू और माँ चिलम रहा हो।
प्र.3. साहब ने लोटा कितने रुपए में लिया?	उ. साहब ने पाँच सौ रुपए में लोटा लिया।

पाठ पढ़ाने के पश्चात–

मौखिक : सर्वप्रथम अध्यापिका/अध्यापक कठिन शब्दों का उच्चारण कराएँगे तथा पाठ से संबंधित मौखिक प्रश्न पूछेंगे।

जैसे– प्र. प्राचीन वस्तुओं को खरीदने में मि॰ डगलस और यह अंग्रेज़ कैसी मूर्खता कर बैठे?

उ. प्राचीन वस्तुओं को खरीदने में मि॰ डगलस ने तीन सौ में एक सामान्य अंडा खरीदा और अंग्रेज़ ने पाँच सौ रुपए में सामान्य लोटा खरीदने की मूर्खता की।

इसी प्रकार से सभी प्रश्नों को मौखिक रूप में पूछेंगे। तत्पश्चात–

कॉरडोवा सी.डी. (CD) के माध्यम से मूल पाठ सहित पाठ को दर्शाएँगे तथा कुछ अंशों को किताब में ढूँढ़ने के लिए बच्चों से कहेंगे।

लिखित : प्रत्येक प्रश्नों के उत्तर लिखित रूप में करवाने से पहले मौखिक रूप में पूछेंगे। तत्पश्चात लिखवाएँगे।

1. किसने, किससे कहा? के वाक्यों को भली–भाँति समझाएँगे। तत्पश्चात सही उत्तर में ✓ का निशान लगवाएँगे।
2. सर्वप्रथम उदाहरण सहित स्वर संधि की परिभाषा से अवगत कराएँगे। तत्पश्चात उचित संधि–विच्छेद में सही (✓) का निशान लगवाएँगे।
3. सर्वप्रथम बहुव्रीहि समास तथा द्विगु समास की परिभाषा से अवगत कराएँगे तथा दोनों में अंतर स्पष्ट भी करेंगें। तत्पश्चात समस्तपदों के उचित समास में ✓ का निशान लगवाएँगे।
4. विशेषण–विशेष्य का मिलान करवाएँगे।
5. **कॉरडोवा सी.डी. (CD)** के माध्यम से संकेत गद्यांश को मूलपाठ सहित दर्शाएँगे। तत्पश्चात प्रश्नों के उत्तर में सही (✓) का निशान लगवाएँगे।
6. अति लघु प्रश्नों को समझाएँगे। तत्पश्चात संक्षेप में उत्तर लिखवाएँगे।
7. लघु तथा निबंधात्मक प्रश्नों को भली–भाँति समझाएँगे। तत्पश्चात प्रश्नों के उत्तर लिखवाएँगे।

आओ अब कुछ बात करें : प्राचीन वस्तुओं से संबंधित विषय में संवाद कराएँगे तथा हास्य से संबंधित अकबर बीरबल का किस्सा भी सुनाएँगे।

परियोजना निर्माण : 'अकबरी लोटा' का नाट्य रूपांतरण करके मंचन करने के लिए कहेंगे तथा दिए गए विषय में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखने के लिए कहेंगे।

निष्कर्ष : बच्चों के अंदर हास्य का भाव उत्पन्न हुआ तथा बच्चों ने जाना कि हास्य के क्षण हमारे जीवन में अनमोल होते हैं।

स्वर संधि, समास तथा विशेषण–विशेष्य के बारे में ज्ञान प्राप्त किया।

कक्षा-कार्य निरीक्षण : अध्यापिका/अध्यापक कक्षा में छात्रों को लिखवाए गए प्रश्नों के उत्तर का निरीक्षण करेंगे तथा अशुद्धियों को ठीक कराएँगे।